राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

प्रियंका चोपड़ा ने पाकिस्तानी महिला को दिया जवाब– 'मैं राष्ट्रभक्त हूं'

>> 11

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 63

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 12 अगस्त 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

एक नई आजादी...

आज के दौर के सभी तरह के ग्राहकों को गुमराह होने से बचाएगा उपभोक्ता संरक्षण कानून–2019 पेज 3

जय हिंद

बेटे की शहादत पर हर पल लुटाती है ममता

बिलासपुर : 19 अगस्त 2011 को बस्तर में नक्सलियों के हमले में शहीद कांस्टेबल बसील टोप्पो शहीद हो गए। उनकी मां ने जशपुर स्थित घर के आंगन में बेटे का स्मारक बनाया है, जहां वह रोज बेटे को याद करती हैं। ● पेज 13

ताकत वतन की हमसे है...

स्वतंत्रता के सारथी

गरीबों का मसीहा बना फौजी का यह जांबाज डॉक्टर बेटा

ग्वालियर : डॉ. विक्रम सिंह के दोनों पैरों ने 10वीं की पढ़ाई के दौरान ही काम करना बंद कर दिया था। बैसाखी के सहारे एमबीबीएस की पढ़ाई की। बाद में हाथों ने भी साथ छोड़ दिया। अब वे चल फिर नहीं सकते, लेकिन चिकित्सा को देश सेवा का माध्यम और गरीबों की सेवा को अपना धर्म मानते हैं। (पेज–13)

न्यूज गैलरी

राज–नीति ▶ पृष्ठ 3

'म्यूजिकल चेयर' का खेल खेल रही है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली : सोनिया गांधी को कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा ने कटाक्ष किया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, गांधी परिवार अपने में ही 'म्यूजिकल चेयर' का खेल खेल रहा है। सोनिया कि नियुक्ति का सीधा अर्थ है कि कांग्रेस के लिए राहुल को अध्यक्ष बनाना भयंकर भूल थी।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

शराब कंपनियों पर छापा, 700 करोड़ की अघोषित संपत्ति मिली

नई दिल्ली : आयकर विभाग ने तमिलनाडु में बीयर और विदेशी शराब बनाने वाली दो बड़ी कंपनियों के कई ठिकानों पर छापा मारा है। चेन्नई, कोयंबटूर, तंजावुर इत्यादि में मारे गए छापे में 700 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति का पता चला है। टीम ने केरल, आंध्र प्रदेश व गोवा के विभिन्न स्थानों पर भी छापे मारे थे।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 10

रियल एस्टेट क्षेत्र को संकट से उबारने के उपाय करेगी सरकार

नई दिल्ली : सरकार जल्द ही रियल एस्टेट को संकट से उबारने के प्रयास करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को रियल एस्टेट उद्योग के प्रतिनिधियों और मकान खरीदारों के साथ इस क्षेत्र की समस्याओं और उन्हें हल करने के उपायों पर मंथन किया। संकेत हैं कि रियल एस्टेट क्षेत्र को संकट से उबारने को सरकार विशेष फंड स्थापित कर सकती है।

बकरीद से पहले पाबंदियों में राहत

सुधरते हालात ▶ जम्मू–कश्मीर में शांतिपूर्ण माहौल, लोगों की मदद में जुटा प्रशासन

बाजारों में खरीदारों की रही भीड़, जरूरी सामान घरों तक पहुंचा रहीं मोबाइल वैन

रोहित जंडियाल, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य बनाने के लिए सरकार ने बकरीद के पहले पाबंदियों में राहत देने का सिलसिला तेज कर दिया है। कश्मीर में रविवार को छुट्टी के बावजूद बैंक और एटीएम खुले। कई बाजारों में दुकानें भी खुलने से चहल-पहल तेज हुई। प्रशासन ने भी कहा है कि बकरीद के अवसर पर लोगों को नमाज अदा करने का मौका देने के लिए तमाम कदम उठाए जा रहे हैं। खाने-पीने की चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास भी जारी हैं। हालांकि घाटी में त्योहार की खास रौनक नजर नहीं आ रही है, जहां सामान्य जनजीवन सुरक्षा बलों की बड़े पैमाने पर तैनाती, लोगों के आवागमन पर पाबंदियों और संचार-संपर्क के तौर-तरीकों में कटौती के कारण प्रभावित है।

अधिकारियों ने कहा है कि घाटी में हिंसा की कहीं से खबर नहीं है, हम हर दिन पाबंदियों में कुछ न कुछ ढील दे रहे हैं। पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 (जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला प्रावधान) हटाए जाने के बाद से हालात सामान्य हो रहे हैं। सबसे ज्यादा असर जम्मू में देखा जा रहा है, जहां पांच जिलों में धारा 144 पूरी तरह हटा ली गई है, जबकि पांच अन्य जिलों में इसमें छूट का दायरा बढ़ाया गया है।

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद सेना कश्मीर में हालात सामान्य करने की पुरजोर कोशिश में जुटी है। रविवार को ईद की पूर्व संध्या पर सेना और स्थानीय प्रशासन ने कश्मीरियों की मोबाइल फोन पर उनके रिश्तेदारों व करीबियों से बात कराई। प्रेट्र

ईद पर कोई दिक्कत न हो, इसलिए प्रशासन ने घरों तक जरूरी सामान पहुंचाने के लिए मोबाइल वैन लगाई हैं। कर्मचारियों को एडवांस में वेतन का भुगतान किया गया है। प्रशासन ने श्रीनगर शहर में छह मंडियां स्थापित की हैं, जहां ढाई लाख बकरे कुर्बानी के लिए लाए गए हैं। हर जिले में राशन डिपो बनाए गए हैं। कश्मीर संभाग में 3697 डिपो में से 3557 खुले हैं।

सभी जरूरी सामान उपलब्ध : प्रशासन के अनुसार, कश्मीर में सभी जरूरी सामान उपलब्ध है। गेंहू 65, चावल 55, मटन 17, पोल्ट्री 30, केरोसिन 35, एलपीजी 30 व डीजल-पेट्रोल 28 दिनों के लिए उपलब्ध है।

अस्पतालों में बेहतर प्रबंध : अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद है। स्टाफ को उनके पहचान पत्रों के आधार पर कहीं भी आने-जाने की अनुमति है। सभी दवाइयां भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

300 विशेष टेलीफोन बूथ : प्रशासन ने वादी में जगह-जगह पर 300 विशेष टेलीफोन बूथ स्थापित किए हैं, ताकि स्थानीय लोग अन्य राज्यों में अपने परिजनों से संपर्क कर सकें। वहीं देश के अन्य हिस्सों में जहां कश्मीरी ज्यादा संख्या में हैं, वहां लाइजन अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम : सभी धार्मिक स्थलों के बाहर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। राज्य के मुख्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम, डीजीपी दिलबाग सिंह स्वयं सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा कर रहे हैं।

डोभाल ने संभाल रखी है कमान : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कश्मीर में डटे हुए हैं। वह लोगों को यकीन दिला रहे हैं कि जो हो रहा है वह आपकी भलाई के लिए ही है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि घाटी में हालात सामान्य हैं। कुछ जगहों पर कर्फ्यू में ढील दी गई है। लोग अफवाहों पर विश्वास न करें।

सीआरपीएफ की 'मददगार' ने कश्मीर में बदला नंबर

जम्मू : केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की हेल्पलाइन 'मददगार' ने अपना नंबर बदल दिया है। कश्मीर में टेलीफोन सेवा ठप होने के कारण नंबर बदला गया है। अब कश्मीर में मदद के लिए 9469793260 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। पहले यह नंबर 14111 था। सीआरपीएफ ने जून 2017 में मददगार हेल्पलाइन बनाई थी। यह चौबीस घंटे काम करती है।

पाकिस्तान के पत्रकार का दावा एलओसी की तरफ बढ़ रही सेना

इस्लामाबाद, आइएएनएस : भारी गोला-बारूद और तोपखाने के साथ पाकिस्तानी सेना शनिवार रात से गुलाम कश्मीर से नियंत्रण रेखा की ओर बढ़ चुकी हैं। यह दावा पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर ने रविवार को किया। मीर ने एक ट्वीट में कहा, उन्होंने सेना की गतिविधियों के बारे में गुलाम कश्मीर के लोगों से सुना है। गुलाम कश्मीर में रहने वाले मित्रों ने फोन पर बताया है कि शनिवार रात से पाकिस्तानी सेना भारी तोपखाने के साथ एलओसी की ओर बढ़ रही हैं। स्थानीय लोग पाकिस्तानी झंडे लहराते हुए और 'कश्मीर बन जाएगा पाकिस्तान' जैसे नारों से उनका जोरदार स्वागत कर रहे हैं।

पाक में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया दिल्ली लौटे

नई दिल्ली, प्रेट्र : पाक में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया दिल्ली लौट आए हैं। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ राजनयिक संबंध घटाते हुए बिसारिया को वापस लौटने को कहा था। साथ ही साफ कर दिया है कि वह अपने नवनियुक्त उच्चायुक्त मोईन उल हक को भारत नहीं भेजेगा।

पाकिस्तान ने चैनलों पर विशेष कार्यक्रमों के प्रसारण पर रोक लगाई पेज>>11

कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी का दिल्ली स्थित 300 करोड़ का बंगला जब्त

नई दिल्ली, प्रेट्र: आयकर विभाग ने रविवार को बताया कि उसने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे और कारोबारी रतुल पुरी तथा उसके पिता के खिलाफ जांच के क्रम में दिल्ली में स्थित 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत का बंगला जब्त कर लिया है। इस दौरान मॉरीशस की कंपनी से प्राप्त चार करोड़ डॉलर (284 करोड़ रुपये) की राशि भी जब्त की गई है। विभाग ने कहा कि पुरी के खिलाफ बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध कानून-1988 की धारा 24 (3) के तहत जब्ती का आदेश जारी किया गया है। इस कानून को मोदी सरकार ने नवंबर 2016 में लागू किया है।

बंगला लुटियन दिल्ली जोन में एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित है। यह संपत्ति मोजर बेयर समूह की कंपनी रामा एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत है। ऑप्टिकल स्टोरेज कंपनी रतुल पुरी के पिता दीपक पुरी की है। दीपक पुरी की पत्नी नीता कमलनाथ की बहन हैं। विभाग ने बताया कि बंगला वर्ष 2002 में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के उद्देश्य से लंबी अवधि के आधार पर ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड स्थित मुखौटा कंपनी ब्रॉनसन फाइनेंसियल इंक से 30 लाख डॉलर (करीब 21.31 करोड़ रुपये) के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का इस्तेमाल कर खरीदा गया था।

ज्ञात हो आयकर विभाग ने पिछले महीने पुरी के 254 करोड़ रुपये के 'बेनामी शेयर' जब्त किए थे। बताया जाता है कि मुखौटा कंपनियों के जरिये अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआइपी हेलीकॉप्टर मामले में एक संदिग्ध से कथित तौर पर उसे यह रकम मिली थी। ईडी भी 3600 करोड़ रुपये के वीवीआइपी हेलीकॉप्टर घोटाले में हिंदुस्तान पावर प्रोजेक्टस प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन पुरी के खिलाफ जांच कर रही है।

अनुच्छेद 370 हटा, अब कश्मीर से मिटेगा आतंकवाद : शाह

- गृहमंत्री ने कहा– इससे देश और कश्मीर को नहीं था कोई लाभ, बहुत पहले हटा देना चाहिए था
- बहुमत नहीं होने के कारण राज्य पुनर्गठन के विधेयक पर राज्यसभा के रुख को लेकर थी शंका

चेन्नई, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को बहुत पहले हटा लिया जाना चाहिए था। देश या कश्मीर को इससे कोई लाभ नहीं था। अब इसे हटा दिया गया है, तो आतंकवाद का भी खात्मा होगा और क्षेत्र विकास के रास्ते पर बढ़ेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को यह बात कही। वह उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू की किताब 'लिसनिंग, लर्निंग एंड लीडिंग' के अनावरण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। नायडू ने किताब में बतौर उपराष्ट्रपति अपने दो साल के अनुभव को समेटा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने देश को अनुच्छेद 370 से मुक्त किया है। उन्होंने कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना था कि इससे देश को या कश्मीर को कोई लाभ नहीं हो रहा था। इसे पहले ही हटा दिया जाना चाहिए था। बतौर गृहमंत्री मेरे मन में इस बात को लेकर कोई असमंजस नहीं था कि 370 हटने के बाद क्या होना है।' शाह ने कहा कि उन्हें कश्मीर के पुनर्गठन का विधेयक राज्यसभा में पेश करते हुए अवश्य थोड़ी आशंका थी। आंध्र प्रदेश का विभाजन कर तेलंगाना बनाने के दौरान राज्यसभा में हुए हंगामे को याद करते हुए शाह ने कहा, 'मुझे जरा सी शंका थी कि कहीं मुझे भी वैसी ही अप्रिय स्थिति का सामना ना करना पड़े, क्योंकि वहां हमारे पास बहुमत नहीं था। इसके बावजूद मैंने तय किया विधेयक को पहले राज्यसभा में लाया जाएगा और बाद में लोकसभा में।' शाह ने राज्यसभा की सुचारू कार्यवाही के लिए वेंकैया नायडू की भी प्रशंसा की। उपराष्ट्रपति होने के नाते नायडू राज्यसभा के सभापति भी हैं।

कश्मीर के प्रति दृढ़ रहे हैं नायडू : शाह ने नायडू के छात्र राजनीति के दिनों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार एक कम्युनिस्ट प्रोफेसर ने नायडू से पूछा था कि जिस राज्य को उन्होंने देखा भी नहीं है, उसके लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं। तक नायडू ने कहा था, 'एक आंख दूसरी आंख को देख नहीं सकती है, लेकिन उसके दर्द को महसूस कर सकती है।'

रजनीकांत बोले, कृष्ण-अर्जुन जैसे हैं मोदी-शाह : किताब के अनावरण के मौके पर उपस्थित रहे दक्षिण के सुपरस्टार रजनीकांत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ की। 'मिशन कश्मीर' पर शाह की तारीफ करते हुए रजनीकांत ने इसे शानदार कदम बताया। उन्होंने मोदी और शाह की जोड़ी को भगवान कृष्ण और अर्जुन की जोड़ी जैसा बताया। रजनीकांत ने कहा, 'हम नहीं जानते कि कौन कृष्ण है और कौन अर्जुन है। यह बात केवल मोदी-शाह को ही पता है।'

चेन्नई में रविवार को पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित करते अमित शाह। एएनआइ

पाक से तनातनी के बीच चीन पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

- तीन दिवसीय दौरे पर चार एमओयू पर हस्ताक्षर की उम्मीद
- जम्मू- कश्मीर के बदले हालातों में बढ़ गया दौर का महत्व

बीजिंग, प्रेट्र : पाकिस्तान से तनातनी के बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार को चीन पहुंचे। इस साल के आखिर में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ ही वह यहां कई अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री का यह दौरा अनुच्छेद 370 पर भारत सरकार के फैसले से काफी पहले तय हो चुका था। हालांकि अभी बदली परिस्थितियों में इसका महत्व और बढ़ गया है।

विदेश मंत्री का पद संभालने से पहले जयशंकर 2009 से 2013 तक चीन में भारतीय राजदूत के तौर पर जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। यह चीन में किसी भारतीय राजनयिक का सबसे लंबा कार्यकाल था। ऐसे में चीन में उनके मजबूत संबंधों को देखते हुए इस

एस. जयशंकर फाइल फोटो

तीन दिवसीय दौरे से उम्मीदें बढ़ गई हैं। आधिकारिक रूप से चीन के नेताओं से वह सोमवार को मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात के बाद वह चीन के स्टेट काउंसिलर और विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके बाद दोनों नेता 'हाई लेवल मैकेनिज्म ऑन कल्चरल एंड पीपुल टू पीपुल एक्सचेंजेज' की दूसरी बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे। पहली बैठक पिछले साल नई दिल्ली में हुई थी। दोनों मंत्री चौथे भारत-चीन उच्च स्तरीय मीडिया फोरम के समापन सत्र को भी संबोधित करेंगे। जयशंकर के इस दौरे पर चार समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। उल्लेखीय है कि चीन भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है, लेकिन अपने आर्थिक हितों के मद्देनजर पाकिस्तान को भी छोड़ना नहीं चाह रहा है। इसी के कारण वह खुलकर पाक की आतंकी नीति की आलोचना नहीं करता।

पाक विदेश मंत्री भी पहुंचे थे चीन

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का चीन दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि नौ अगस्त को पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी चीन पहुंचे थे। कुरैशी जम्मू–कश्मीर पर भारत के कदम के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपील करने के लिए चीन का समर्थन मांगने पहुंचे थे। भारत ने जम्मू–कश्मीर को अपना आंतरिक मामला बताया है। भारत के रुख के बाद चीन ने दो अलग–अलग बयान जारी किए। बयान में उसने लद्दाख को केंद्रशासित बनाने के भारत के फैसले पर विरोध जताया। हालांकि चीन के बयान में सुरक्षा परिषद जाने के पाकिस्तान के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। चीन ने भारत और पाकिस्तान को पड़ोसी बताते हुए कहा कि वह चाहता है कि दोनों देश कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय समझौते के आधार पर सुलझाएं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से बौखलाया पाकिस्तान इस मामले में पूरी दुनिया से साथ मांगता घूम रहा है, लेकिन कोई भी उसके साथ खड़े होने को तैयार नहीं है।

बाढ़ का कहर : स्कूल में फंसे 17 बच्चों समेत 42 लोगों को सुरक्षाकर्मियों ने बचाया

नई दिल्ली : महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और गुजरात में बाढ़ के हालात गंभीर बने हुए हैं। इन राज्यों में अब तक करीब 150 लोगों की जान जा चुकी है और 10 लाख से अधिक लोग राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। गुजरात के मोरबी जिले में सुरक्षाकर्मियों ने एक स्कूल में फंसे 17 बच्चों समेत 42 लोगों को सुरक्षित निकाला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। जबकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल में बाढ़ से बिगड़े हालात का जायजा लिया। (पेज–7)

लगातार बारिश से केरल समेत कई राज्यों में स्थिति काफी गंभीर हो चुकी है। कोच्चि में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दृश्य। एएनआइ

सीबीएसई ने एससी–एसटी के लिए 24 गुना बढ़ाया परीक्षा शुल्क

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- एससी–एसटी को 1200 तो सामान्य वर्ग के छात्रों को देना होगा 1500 रुपये
- अतिरिक्त पेपर के लिए सभी वर्गों के छात्रों को देने होंगे 300 रुपये
- माइग्रेशन फीस भी 150 से बढ़ाकर 350 रुपये कर दी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा शुल्क में भारी वृद्धि कर दी है। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों को अब जहां 24 गुना अधिक परीक्षा शुल्क देना होगा, वहीं सामान्य वर्ग के छात्रों को भी पहले के मुकाबले दोगुना राशि अदा करनी होगी। अधिसूचना जारी हो गई है। लिहाजा इसी सत्र से छात्रों को 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षा में पंजीकरण कराने के लिए बढ़ा हुआ शुल्क देना होगा।

सीबीएसई के आदेश के अनुसार एससी/एसटी वर्ग के छात्रों को अब पांच विषय के पेपर के लिए 50 रुपये के स्थान पर 1,200 रुपये (24 गुना) परीक्षा शुल्क देना होगा। वहीं सामान्य वर्ग के छात्रों को 750 की जगह 1500 रुपये शुल्क देना होगा। एससी व एसटी के छात्रों को अतिरिक्त पेपर के लिए 300 रुपये अलग से देने होंगे, जबकि, पहले कोई शुल्क नहीं देना पड़ता था। वहीं सामान्य वर्ग के छात्रों को भी अतिरिक्त विषय के लिए 300 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले इन्हें 150 रुपये देने होते थे।

10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकरण नौवीं में होता है और 12वीं के लिए छात्रों का पंजीकरण कक्षा 11 में होता है। बोर्ड ने स्कूलों को आदेश दिया है कि यदि किसी स्कूल में पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, तो वहां छात्रों से बढ़ा हुआ शुल्क वसूल कर लिया जाए। अंतिम तिथि तक शुल्क जमा नहीं करने वाले छात्रों का पंजीकरण नहीं होगा। बोर्ड ने 100 फीसद दृष्टिबाधित छात्रों को राहत दी है। उन्हें परीक्षा शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। वहीं माइग्रेशन फीस 150 रुपये से बढ़ाकर 350 रुपये कर दी गई है। विदेश में सीबीएसई के स्कूलों में नामांकित छात्रों को अब पांच हजार की जगह 10 हजार रुपये शुल्क देना पड़ेगा। इसके अलावा अतिरिक्त पेपर के लिए इन छात्रों को एक हजार रुपये की जगह अब दो हजार रुपये का शुल्क अदा करना होगा।

फादर एंथनी से छह करोड़ की लूट में चार पुलिसकर्मी बर्खास्त

पटियाला : पंजाब के जालंधर डायोसिस के पूर्व बिशप फादर एंथनी से छह करोड़ रुपये कैश लूटने के मामले में पटियाला पुलिस के तीन एएसआइ जोगिंदर सिंह, राजप्रीत सिंह और दिलबाग सिंह और हेड कांस्टेबल अमरीक सिंह को बर्खास्त कर दिया गया है। चारों मुलाजिम घटना के समय पटियाला में तैनात थे। फादर एंथनी से बरामद रुपये लूटने के लिए चारो फतेहगढ़ साहिब पहुंच गए थे। (पेज–6)

अरबपति फायनेंसर की खुदकशी पर ट्रंप के ट्वीट से विवाद

वाशिंगटन : अमेरिका में दुष्कर्म के आरोपित अरबपति फायनेंसर जेफ्री एपस्टीन (66) की खुदकशी के मामले में नया विवाद पैदा हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में एक ऐसे ट्वीट को रीट्वीट किया है, जो अरबपति फायनेंसर एपस्टीन की मौत को पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से जोड़ता है। ट्रंप के रीट्वीट के बाद से इस मसले पर विवाद छिड़ गया है। उल्लेखनीय है कि एपस्टीन ने गत शनिवार को अपनी सेल में आत्महत्या कर ली थी। (पेज–11)

पहल

बच्चों में शुरुआत से ही रोपे जाएंगे भारतीय ज्ञान परंपरा के बीज, गणित के स्थान पर वैदिक गणित और पर्यावरण विषय के स्थान पर वेदों में पर्यावरण से जुड़ाव से संबंधित पाठ पढ़ाए जाएंगे

अब संस्कृत में भी होगी पहली से आठवीं तक पढ़ाई

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

- एनआइओएस ने स्कूली शिक्षा के लिए तैयार किया नया पाठ्यक्रम
- सितंबर से प्रवेश, तीसरी, पांचवीं व आठवीं कक्षाओं में देनी होगी परीक्षा

भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने में जुटी सरकार अब संस्कृत में भी स्कूली शिक्षा देगी। इसके तहत पहली से आठवीं तक की पढ़ाई संस्कृत में होगी। इसके विषय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा के तहत होंगे। इसमें भाषा, गणित और पर्यावरण विषय मुख्य रूप से शामिल रहते हैं। संस्कृत पाठ्यक्रम में भाषा के स्थान पर संस्कृत पढ़ाई जाएगी। गणित के स्थान पर वैदिक गणित और पर्यावरण विषय के स्थान पर वेदों में पर्यावरण से जुड़ाव से संबंधित पाठ पढ़ाए जाएंगे।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़ी संस्था राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) ने लंबी कवायद के बाद यह नया पाठ्यक्रम तैयार किया है। इसमें सितंबर से बच्चों को प्रवेश देने का काम भी शुरू हो जाएगा। इसे लेकर तेजी इसलिए भी दिखाई जा रही है क्योंकि यह सरकार और एनआइओएस के सौ दिनों के एजेंडे में शामिल है। स्कूलों में मौजूदा समय में पढ़ाई सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी में ही कराई जाती है। एनआइओएस के अध्यक्ष प्रोफेसर सीबी शर्मा के मुताबिक स्कूली शिक्षा के लिए इस कोर्स को तैयार करने में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा का पूरा ध्यान रखा गया है। इसे कुछ इस तरह तैयार किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक कक्षा का अपना अलग पाठ्यक्रम होगा। पहली से आठवीं तक की पढ़ाई के बीच परीक्षा सिर्फ तीन बार ही होगी। इनमें पहली परीक्षा तीसरी कक्षा के स्तर पर होगी, जो पहली, दूसरी और तीसरी कक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित होगी। दूसरी परीक्षा पांचवीं के स्तर पर होगी, जिसमें चौथी और पांचवीं का पाठ्यक्रम शामिल होगा। इसी तरह तीसरी परीक्षा आठवीं के स्तर पर होगी, जिसमें छठी, सातवीं और आठवीं का पूरा पाठ्यक्रम शामिल होगा।

10वीं और 12वीं के स्तर पर पहले से ही वेद में मिल रही है शिक्षा : राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थानके मुताबिक 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पहले से ही भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत वेद संकाय में हो रही है। यह विज्ञान, कला या कॉमर्स संकाय की तरह ही एक नया संकाय है। पहली से आठवीं तक पढ़ाई संस्कृत में शुरू होने से इस संकाय को एक नया आधार मिलेगा। इससे अब कोई भी छात्र संस्कृत से आठवीं तक की स्कूली शिक्षा हासिल करने के बाद वेद संकाय में दाखिला लेकर अपनी शिक्षा को एक नई ऊंचाई दे सकता है।

मुख्यधारा से जुड़ेंगे गुरुकुल में पढ़ने वाले बच्चे

देशभर में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा देने में जुटी एनआइओएस ने गुरुकुलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी लक्ष्य किया है। इसके तहत इन बच्चों को भी अब स्कूली शिक्षा से जोड़ा जाएगा, जिसके बाद वह आगे की पढ़ाई जारी रख सकेंगे। अभी तक गुरुकुलों में पढ़ने वाले बच्चों की कोई भी मान्यता नहीं है। मौजूदा समय में देशभर में छह हजार से ज्यादा गुरुकुल संचालित हो रहे हैं। फिलहाल एनआइओएस इन सभी गुरुकुलों से संपर्क करने में जुटा है।

बंगाल में जोमैटो के कर्मचारियों का बीफ की डिलीवरी करने से इन्कार

जागरण संवाददाता, हावड़ा

- हावड़ा में सड़क पर उतरा स्टाफ, आरोप– धार्मिक भावनाएं हो रहीं आहत
- एक हफ्ते से बेमियादी हड़ताल पर हैं खाने की डिलीवरी करने वाले

ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो फिर विवाद में घिर गई है। इस बार विवाद कंपनी के भीतर का है, जो पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में उठा है। जोमैटो के डिलीवरी स्टाफ का आरोप है कि कंपनी उनसे ऐसे खाने की डिलीवरी करा रही है, जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। वे इस वजह से बेमियादी हड़ताल पर है। स्टाफ का आरोप है कि उनसे बीफ और पोर्क से बने खाद्य पदार्थों की डिलीवरी करायी जा रही है, जो उनकी इच्छा के खिलाफ है। कंपनी उनकी मांगों को नहीं सुन रही है और बीफ और पोर्क डिलीवर करने के लिए मजबूर कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, आंदोलन कर रहे कर्मचारियों की पहली मांग है कि कंपनी उनकी धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ न करे। इसके अलावा उन्होंने वेतन बढ़ाने की मांग भी की है। कर्मचारियों ने इसे लेकर कथित रूप से अपने उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया है, लेकिन अभी तक उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

> कंपनी को किसी भी व्यक्ति को अपने धर्म के खिलाफ जाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। यह गलत है। इस संबंध में जानकारी मिली है, मैं इस मामले को देखूंगा।
>
> –राजीब बनर्जी, मंत्री, बंगाल

पहले भी विवाद में फंस चुकी है कंपनी : यह पहला ऐसा अवसर नहीं है जब कंपनी विवाद में फंसी हो। कुछ दिन पहले जोमैटो के डिलीवरी बॉय के धर्म के कारण मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के निवासी अमित शुक्ला ने ऑर्डर रद कर दिया था।